चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.8.26	5	4-6

मध्यप्रदेश विधानसभा के विधायकों ने किया हकृवि कृषि विज्ञान केंद्र कुरुक्षेत्र का दौरा

जागरण संवाददाता • हिसार : मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि, कृषि प्रसार, फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण और धान की सीधी बिजाई जैसे क्षेत्रों में हरियाणा की सर्वोत्तम तकनीकें एवं नवाचारों का प्रत्यक्ष अध्ययन करने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र कुरुक्षेत्र का दौरा किया। यह दौरा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के मार्गदर्शन में किया गया। प्रतिनिधिमंडल में समिति के सभापति व विधायक ठाकुरदास नागवंशी, विधायक महेंद्र रामसिंह यादव, विधायक नीलेश उईके, एडिशनल सेक्रेटरी उमेश शर्मा, अंडर सेक्रेटरी महावीर सिंह, नोडल अधिकारी समीर पटेल और हरियाणा विधानसभा के प्रोटोकाल अधिकारी संजीव शर्मा उपस्थित रहे।

प्रतिनिधि मंडल के सदस्य केवीके के अधिकारियों के साथ। • विज्ञप्ति

समिति के सभापति ठाकुरदास नागवंशी ने बताया यह समिति हरियाणा के सब्सिडी प्रावधानों और नियमों जैसे सफल माडलों को मध्यप्रदेश सरकार के समक्ष रखेगी ताकि उनके राज्य में भी फसल अवशेष प्रबंधन को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	25.8.26	5	1-2

मध्यप्रदेश के विधायकों ने किया हकृवि कृषि विज्ञान केन्द्र का दौरा

प्रतिनिधि मंडल के सदस्य केवीके के अधिकारियों के साथ।

हिसार, 24 अगस्त (ब्यूरो): मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि, कृषि प्रसार, फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण और धान की सीधी बिजाई जैसे क्षेत्रों में हरियाणा की सर्वोत्तम तकनीकें एवं नवाचारों का प्रत्यक्ष अध्ययन करने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र कुरुक्षेत्र का दौरा किया।

प्रतिनिधिमंडल में समिति के सभापति व विधायक ठाकुरदास नागवंशी, विधायक महेंद्र रामसिंह यादव, विधायक नीलेश उईके, एडिशनल सेक्रेटरी उमेश शर्मा, अंडर सेक्रेटरी महावीर सिंह, नोडल अधिकारी समीर पटेल और हरियाणा विधानसभा के प्रोटोकॉल अधिकारी संजीव शर्मा उपस्थित रहे। यह दौरा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के मार्गदर्शन में किया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण, धान की सीधी बिजाई तथा फसल विविधीकरण अपनाने के लिए किसानों को निरंतर जागरूक किया जा रहा है।

इस अवसर पर केवीके कुरुक्षेत्र के वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार, डॉ. फतेह सिंह, डॉ. अश्विनी कुमार, डॉ. ललिता रानी, डॉ. सरिता रानी, डॉ. कविता तथा केंद्र के सभी कर्मचारी भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.8.26	4	4-5

दौरा • पराली जलाने के मामलों में आई कमी को सराहा

एमपी के प्रतिनिधिमंडल ने केवीके में कृषि नवाचार के बारे में जानकारी ली

एचएयू में प्रतिनिधि मंडल के सदस्य केवीके के अधिकारियों के साथ।

भास्कर न्यूज | हिसार

मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, कुरुक्षेत्र का दौरा कर कृषि प्रसार, फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण और धान की सीधी बिजाई से जुड़ी तकनीकों का प्रत्यक्ष अध्ययन किया।

समिति अध्यक्ष विधायक ठाकुरदास नागवंशी, विधायक महेंद्र रामसिंह यादव, विधायक नीलेश उईके, एडिशनल सेक्रेटरी उमेश शर्मा, अंडर सेक्रेटरी महावीर सिंह, नोडल अधिकारी समीर पटेल और हरियाणा विधानसभा के प्रोटोकॉल अधिकारी संजीव शर्मा उपस्थित रहे। यह दौरा एचएयू के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के मार्गदर्शन में किया गया।

समिति अध्यक्ष एवं विधायक ठाकुरदास नागवंशी ने जिले में पराली जलाने के मामलों में आई कमी की सराहना करते हुए कहा कि सरकार और विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयास अनुकरणीय हैं। उन्होंने बताया कि हरियाणा के सब्सिडी प्रावधानों और नियमों जैसे मॉडल मध्यप्रदेश सरकार के समक्ष रखे जाएंगे, ताकि वहां भी अवशेष प्रबंधन प्रभावी हो सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	25.8.26	12	3-5

मध्यप्रदेश विस की कृषि विकास समिति ने किया केवीके कुरुक्षेत्र का दौरा

हरियाणा की पराली प्रबंधन नीति का मध्यप्रदेश में होगा अध्ययन

हिसार। केवीके कुरुक्षेत्र के अधिकारियों के साथ मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति का प्रतिनिधिमंडल।

- फसल अवशेष प्रबंधन, धान की सीधी बिजाई और जल संरक्षण की तकनीकें जानीं

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति के प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र, कुरुक्षेत्र का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा में फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण, धान की सीधी बिजाई, कृषि प्रसार और फसल विविधीकरण के क्षेत्र में अपनाई जा रही तकनीकों एवं नवाचारों की जानकारी ली। समिति के सभापति एवं विधायक ठाकुरदास नागवंशी के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में विधायक महेंद्र रामसिंह यादव, विधायक नीलेश उईके, एडिशनल सेक्रेटरी उमेश शर्मा, अंडर सेक्रेटरी महावीर सिंह, नोडल अधिकारी समीर पटेल तथा हरियाणा विधानसभा के प्रोटोकॉल अधिकारी संजीव शर्मा शामिल रहे। यह दौरा हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजय शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा, जबकि सह-निदेशक डॉ. एसके ढांडा ने मंच संचालन किया।

ये रहे मौजूद

केवीके कुरुक्षेत्र के वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार, डॉ. फतेह सिंह, डॉ. अश्विनी कुमार, डॉ. ललिता रानी, डॉ. सरिता रानी, डॉ. कविता सहित केंद्र के कर्मचारी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	25.8.26	8	6-8

मध्यप्रदेश विधानसभा के विधायकों ने किया हकृवि कृषि विज्ञान केन्द्र का दौरा

प्रतिनिधिमंडल के सदस्य केवीके के अधिकारियों के साथ।

हिसार, 24 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा) : मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि, कृषि प्रसार, फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण और धान की सीधी बिजाई जैसे क्षेत्रों में हरियाणा की सर्वोत्तम तकनीकें एवं नवाचारों का प्रत्यक्ष अध्ययन करने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र कुरुक्षेत्र का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में समिति के सभापति व विधायक ठाकुरदास नागवंशी, विधायक महेंद्र रामसिंह यादव, विधायक नीलेश उईके, एडिशनल सैक्रेटरी उमेश शर्मा, अंडर सैक्रेटरी महावीर सिंह, नोडल अधिकारी समीर पटेल और हरियाणा विधानसभा के प्रोटोकॉल अधिकारी संजीव शर्मा उपस्थित रहे। यह दौरा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के मार्गदर्शन में किया गया। समिति के सभापति ठाकुरदास नागवंशी ने कुरुक्षेत्र में पराली जलाने के मामलों में आई कमी की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार और विश्वविद्यालय इस सफलता के लिए बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि यह समिति हरियाणा के सब्सिडी प्रावधानों और नियमों जैसे सफल मॉडलों को मध्यप्रदेश सरकार के समक्ष रखेगी ताकि उनके राज्य में भी फसल अवशेष प्रबंधन को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने प्रतिनिधि मंडल को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण, धान की सीधी बिजाई तथा फसल विविधीकरण अपनाने के लिए किसानों को निरंतर जागरूक किया जा रहा है। तकनीकी सत्र के दौरान केवीके यमुनानगर के समन्वयक डॉ. संदीप रावल ने बताया कि केवीके कुरुक्षेत्र के निरंतर प्रयासों, किसान मेलों, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों और हरियाणा सरकार की प्रभावी सब्सिडी व नीतियों के चलते कुरुक्षेत्र जिले में पराली जलाने के मामलों में काफी कमी आई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के वैज्ञानिक डॉ. श्रीकांत संदीपम ने पराली के त्वरित निस्तारण के लिए बायो-डिकम्पोजर तकनीक की जानकारी दी। एडिशनल सैक्रेटरी उमेश शर्मा ने हरियाणा की मशीनरी आवंटन नीति की सराहना की। इस अवसर पर केवीके कुरुक्षेत्र के वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार, डॉ. फतेह सिंह, डॉ. अश्विनी कुमार, डॉ. ललिता रानी, डॉ. सरिता रानी, डॉ. कविता तथा केंद्र के सभी कर्मचारी भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	25.08.2026	-----	----

शिक्षा विश्वविद्यालय इस सफलता के लिए बधाई के पात्र हैं।

मध्यप्रदेश विधानसभा के विधायकों ने किया हकृवि का दौरा

सवेरा न्यूज/सुरेंद्र सोढी

हिसार, 24 अगस्त : मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि, कृषि प्रसार, फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण और धान की सीधी बिजाई जैसे क्षेत्रों में हरियाणा की सर्वोत्तम तकनीकें एवं नवाचारों का प्रत्यक्ष अध्ययन करने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र कुरुक्षेत्र का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में समिति के सभापति व विधायक ठाकुरदास नागवंशी, विधायक महेंद्र रामसिंह यादव, विधायक नीलेश उईके, एडिशनल सेक्रेटरी उमेश शर्मा, अंडर सेक्रेटरी महावीर सिंह, नोडल अधिकारी समीर पटेल और हरियाणा विधानसभा के प्रोटोकॉल अधिकारी संजीव शर्मा उपस्थित रहे। यह दौरा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के मार्गदर्शन में किया गया। समिति के सभापति ठाकुरदास नागवंशी ने कुरुक्षेत्र में पराली जलाने के मामलों में आई कमी की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार और विश्वविद्यालय इस सफलता के लिए बधाई के पात्र हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने प्रतिनिधि मंडल को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण, धान की सीधी बिजाई तथा फसल विविधीकरण अपनाने के लिए किसानों को निरंतर जागरूक किया जा रहा है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के वैज्ञानिक डॉ. श्रीकांत संदीपम ने पराली के त्वरित निस्तारण के लिए बायो-डिकम्पोजर तकनीक की जानकारी दी। एडिशनल सेक्रेटरी श्री उमेश शर्मा ने हरियाणा की मशीनरी आवंटन नीति की सराहना की। जल संरक्षण के मद्देनजर धान की सीधी बिजाई के लिए केवीके कुरुक्षेत्र व यमुनानगर द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई।

प्रतिनिधि मंडल के सदस्य केवीके के अधिकारियों के साथ।

इस आयोजन में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजय शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन सह-निदेशक डॉ. एस. के. ढांडा ने किया। इस अवसर पर केवीके कुरुक्षेत्र के वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार, डॉ. फतेह सिंह, डॉ. अश्विनी कुमार, डॉ. ललिता रानी, डॉ. सरिता रानी, डॉ. कविता तथा केंद्र के सभी कर्मचारी भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	24.08.2026	-----	----

मध्यप्रदेश विधानसभा के विधायकों ने किया हकृवि कृषि विज्ञान केन्द्र कुरुक्षेत्र का दौरा

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। मध्यप्रदेश विधानसभा की कृषि विकास समिति के एक प्रतिनिधिमंडल ने कृषि, कृषि प्रसार, फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण और धान की सीधी बिजाई जैसे क्षेत्रों में हरियाणा की सर्वोत्तम तकनीकें एवं नवाचारों का प्रत्यक्ष अध्ययन करने के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्र कुरुक्षेत्र का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल में समिति के सभापति व विधायक श्री ठाकुरदास नागवंशी, विधायक श्री महेंद्र रामसिंह यादव, विधायक श्री नीलेश उईके, एडिशनल सेक्रेटरी श्री उमेश शर्मा, अंडर सेक्रेटरी श्री महावीर सिंह, नोडल अधिकारी श्री समीर पटेल और हरियाणा विधानसभा के प्रोटोकॉल अधिकारी श्री संजीव शर्मा उपस्थित रहे। यह दौरा हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के मार्गदर्शन में किया गया। समिति के सभापति श्री ठाकुरदास नागवंशी ने कुरुक्षेत्र में पराली जलाने के मामलों में आई कमी की प्रशंसा करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार और

विश्वविद्यालय इस सफलता के लिए बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि यह समिति हरियाणा के सब्सिडी प्रावधानों और नियमों जैसे सफल मॉडलों को मध्यप्रदेश सरकार के समक्ष रखेगी ताकि उनके राज्य में भी फसल अवशेष प्रबंधन को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने प्रतिनिधि मंडल को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन, जल संरक्षण, धान की सीधी बिजाई तथा फसल विविधीकरण अपनाने के लिए किसानों को निरंतर जागरूक किया जा रहा है। तकनीकी सत्र के दौरान केवीके यमुनानगर के समन्वयक डॉ. संदीप रावल ने बताया कि केवीके कुरुक्षेत्र के निरंतर प्रयासों, किसान मेलों, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शनों और हरियाणा सरकार की प्रभावी सब्सिडी व नीतियों के चलते कुरुक्षेत्र जिले में पराली जलाने के मामलों में काफी कमी आई है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के वैज्ञानिक डॉ. श्रीकांत संदीपम ने पराली के त्वरित निस्तारण के लिए बायो-डिकम्पोजर तकनीक की जानकारी दी। एडिशनल सेक्रेटरी श्री उमेश शर्मा ने हरियाणा की मशीनरी आधारित नीति की सराहना की। जल संरक्षण के मद्देनजर धान की सीधी बिजाई के लिए केवीके कुरुक्षेत्र व यमुनानगर द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। इस आयोजन में वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अजय शर्मा ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। मंच का संचालन सह-निदेशक डॉ. एस. के. डाँडा ने किया। इस अवसर पर केवीके कुरुक्षेत्र के वैज्ञानिक डॉ. मनोज कुमार, डॉ. फतेह सिंह, डॉ. अश्विनी कुमार, डॉ. ललिता रानी, डॉ. सरिता रानी, डॉ. कविता तथा केंद्र के सभी कर्मचारी भी उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	25.08.2026	-----	----

'चांद को छूकर जीवन को संवारता भारत - भारत की अंतरिक्ष गाथा' एवं 'विकसित भारत के निर्माण की दिशा में भारत की अंतरिक्ष यात्रा' विषय पर हुआ मंथन

हकृवि व हरसैक द्वारा राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 24 अगस्त : हरियाणा स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (हरसैक) द्वारा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, विज्ञान भारती एवं स्वदेशी शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 'चांद को छूकर जीवन को संवारता भारत - भारत की अंतरिक्ष गाथा' तथा 'विकसित भारत के निर्माण की दिशा में भारत की अंतरिक्ष यात्रा' विषयों पर मंथन हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, वैज्ञानिकों एवं युवाओं को भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों, अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के कृषि एवं ग्रामीण विकास में योगदान तथा विकसित भारत के निर्माण में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में पूर्व इसरो वैज्ञानिक डॉ. जे.आर. शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की जबकि सीएसआईआर-ईमटेक की निदेशक डॉ. अल्का राव विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं। हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

मुख्य अतिथि डॉ. जे.आर. शर्मा ने भारत की गौरवशाली अंतरिक्ष यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अंतरिक्ष विज्ञान अब केवल अंतरिक्ष अन्वेषण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध आम नागरिक के जीवन से जुड़ गया है। मौसम पूर्वानुमान, प्राकृतिक आपदा प्रबंधन, संचार, नेविगेशन, कृषि निगरानी, जल एवं मृदा संसाधनों के आकलन तथा फसल प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

उन्होंने कहा कि चंद्रयान मिशन सहित भारत के विभिन्न अंतरिक्ष अभियानों ने देश की वैज्ञानिक क्षमता, तकनीकी दक्षता और आत्मनिर्भरता को वैश्विक स्तर पर नई पहचान दिलाई है। उन्होंने कहा कि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है। कृषि क्षेत्र में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि उपग्रह आधारित तकनीकों के माध्यम से फसल क्षेत्र की निगरानी, मौसम आधारित कृषि सलाह, सूखा एवं बाढ़ की स्थिति का आकलन, फसल स्वास्थ्य की निगरानी तथा कृषि संसाधनों के बेहतर प्रबंधन में सहायता मिल रही है। इससे किसानों को समय पर वैज्ञानिक एवं उपयोगी जानकारी उपलब्ध कराने तथा कृषि को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और जलवायु-अनुकूल बनाने में मदद मिल सकती है। विशिष्ट अतिथि डॉ. अल्का राव ने अपने सम्बोधन में कहा कि युवा भारत की अंतरिक्ष यात्रा का केवल दर्शक नहीं, बल्कि भविष्य का वैज्ञानिक, शोधकर्ता और नवप्रवर्तक है। युवाओं की वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार की क्षमता भारत को अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि क्षेत्र में अंतरिक्ष तकनीक का महत्व लगातार बढ़ रहा है। उपग्रह आधारित रिमोट सेंसिंग तकनीक के माध्यम से फसल क्षेत्र, फसल स्वास्थ्य, भूमि उपयोग, जल संसाधनों तथा मौसम संबंधी परिस्थितियों की निगरानी में महत्वपूर्ण सहायता मिल रही है। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को पारंपरिक कृषि ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों का ज्ञान भी प्राप्त करना चाहिए। आने वाले समय में रिमोट सेंसिंग, जीआईएस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीक कृषि अनुसंधान एवं किसानों को वैज्ञानिक सलाह देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

हरियाणा स्पेस एप्लीकेशन सेंटर (हरसैक) के निदेशक डॉ. सुल्तान सिंह ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय अंतरिक्ष विज्ञान आज केवल अंतरिक्ष के रहस्यों को समझने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके अनुप्रयोगों का सीधा लाभ समाज और आम नागरिकों को मिल रहा है। उपग्रह आधारित तकनीक का उपयोग कृषि, जल संसाधन, मौसम, पर्यावरण संरक्षण, आपदा प्रबंधन, शहरी नियोजन और प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी जैसे क्षेत्रों में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरसैक द्वारा रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस तकनीक के माध्यम से प्राप्त अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों को विभिन्न विकासात्मक कार्यों में उपयोग किया जा रहा है। कार्यक्रम में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर-ईमटेक) व हरसैक के बीच एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम पर आधारित एक तकनीकी सत्र का भी आयोजन किया गया। मंच का संचालन डॉ. रीना चौहान ने किया।

इस अवसर पर हकृवि के छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एम.एल. खीचड़, इसरो वैज्ञानिक आकाश गोयल, विज्ञान भारती के निदेशक डॉ. दीपक केडिया, हरसैक, हकृवि के अधिकारी, वैज्ञानिक और विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।